License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

लैव्यव्यवस्था 1:3

यहोवा ने मूसा के द्वारा लोगों से किस प्रकार के पशु होमबलि के रूप में लाने के लिए कहे?

यहोवा ने मूसा से कहा कि वह लोगों से कहे कि वे गाय-बैलों में से एक निर्दोष नर को होमबलि के रूप में लाएँ।

लैव्यव्यवस्था 1:4

यहोवा ने उस मनुष्य को क्या करने को कहा ताकि उसकी ओर से दी गई भेंट स्वीकार हो और वह अपने लिए प्रायश्चित कर सके?

यहोवा ने उस मनुष्य से कहा कि वह होमबलि के सिर पर अपना हाथ रखे ताकि वह उनके लिये प्रायश्चित करने को ग्रहण किया जाएगा।

लैव्यव्यवस्था 1:5

याजकों को बछड़े के लहू के साथ क्या करना था?

याजकों को लहू को वेदी के चारों ओर छिड़कना था जो मिलापवाले तम्बू के द्वार पर है।

लैव्यव्यवस्था 1:8

याजक कौन थे?

याजक हारून के पुत्र थे।

लैव्यव्यवस्था 1:9

वेदी पर जलाने से पहले अंतड़ियों और पैरों को क्या करना आवश्यक था?

अंतड़ियों और पैरों को वेदी पर जलाए जाने से पहले जल से धोना आवश्यक था।

लैव्यव्यवस्था 1:9 (#2)

होमबलि से क्या उत्पन्न होगा जो यहोवा को प्रसन्न करेगा?

होमबलि यहोवा के लिये सुखदायक सुगन्धवाला हवन ठहरेगी जो यहोवा को प्रसन्न करेगी।

लैव्यव्यवस्था 1:10

यहोवा ने मूसा द्वारा लोगों से पशुओं में से किस प्रकार का पशु होमबलि के लिए लाने लिए कहा?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे भेड़-बकरियों में से एक निर्दोष नर भेड़ या बकरा लाएँ।

लैव्यव्यवस्था 1:11

वेदी के किस ओर नर भेड़ या बकरे का बलिदान किया जाना चाहिए?

भेड़ या बकरे को वेदी के उत्तरी ओर बलिदान किया जाना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 1:11 (#2)

हारून के पुत्रों को भेड़ या बकरे का लहू कहाँ छिड़कना था?

हारून के पुत्रों को वेदी के सभी किनारों पर भेड़ या बकरे का रक्त छिड़कना था।

लैव्यव्यवस्था 1:14

यहोवा ने किस प्रकार के पक्षियों को होमबलि के रूप में लाने के लिए कहा?

यहोवा ने कहा कि एक पंडुक या कबूतर को होमबलि के रूप में लाया जा सकता है।

लैव्यव्यवस्था 2:1

यहोवा के लिये अन्नबलि रूप में कौन-सा अनाज लाया जा सकता था?

मैदा यहोवा के लिए एक भेंट के रूप में लाया जा सकता था।

लैव्यव्यवस्था 2:1 (#2)

यहोवा के लिये अन्नबलि का चढ़ावा चढ़ाने से पहले मैदे को कैसे तैयार किया जाना चाहिए था?

यहोवा को चढ़ाने से पहले मैदे में तेल और लोबान मिलाना आवश्यक था।

लैव्यव्यवस्था 2:3

अन्नबलि में जो हिस्सा बच जाता था, वह किसके लिए होता था?

अन्नबलि के बाद बचा हुआ अनाज हारून और उनके पुत्रों का होता था।

लैव्यव्यवस्था 2:4

यदि तवे पर पकाया हुआ अन्नबलि हो, तो वह कैसा होना चाहिए?

यदि तवे पर पकाया हुआ अन्नबलि हो, तो वह तेल से सने हुए अख़मीरी मैदे का होना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 2:11

अन्नबलि में कौन-कौन से पदार्थ नहीं होने चाहिए थे?

अन्नबलि में ख़मीर और मधु नहीं होना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 2:13

अन्नबलि में हमेशा कौन सा पदार्थ होना आवश्यक था?

अन्नबलि में हमेशा नमक होना आवश्यक था।

लैव्यव्यवस्था 3:1

गाय-बैलों में से कौन-सा मेलबलि चढ़ाया जा सकता था?

गाय-बैलों में से चढ़ाई गई मेलबलि कोई भी निर्दोष नर या मादा हो सकती थी।

लैव्यव्यवस्था 3:2

मेलबलि को कहाँ पर बलि किया जाना था?

मिलापवाले तम्बू के द्वार पर मेलबलि को बलिदान किया जाना था।

लैव्यव्यवस्था 3:3–4

मेलबलि के कौन-कौन से भाग निकालकर वेदी पर रखे जाने चाहिए थे?

चर्बी से अंतड़ियाँ ढपी रहती हैं, उसे गुर्दे और कलेजे के ऊपर की झिल्ली वेदी पर रखना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 3:6–8

क्या उस मेलबलि में कोई अंतर था जो पशुओं के झुंड के बजाय भेड़-बकरियों से ली जाती थी?

नहीं, कोई भेद नहीं था।

लैव्यव्यवस्था 3:9

भेड़-बकरियों से झुंड से आने वाली मेलबलि में से कौन सी अलग चीज़ हटा दी जानी चाहिए??

यदि मेलबलि भेंट भेड़-बकरियों से आती है, तो पूरी मोटी पूंछ को रीढ़ की हड्डी के पास से काटकर हटा देना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 3:16

चर्बी केवल किसके लिए थी?

चर्बी केवल यहोवा की ही थी।

लैव्यव्यवस्था 3:17

यहोवा ने लोगों से उनके निवासों में क्या खाने के लिए माना किया था?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे अपने निवासों में कभी भी चर्बी या लहू न खाएं।

लैव्यव्यवस्था 4:3

लैव्यव्यवस्था के चौथे अध्याय में किस प्रकार की भेंटों के बारे में चर्चा की गई है?

लैव्यव्यवस्था का चौथा अध्याय पापबलि के बारे में बताता है।

लैव्यव्यवस्था 4:6

याजक को पापबलि का लहू यहोवा के सामने, पवित्रस्थान के बीचवाले पर्दे के आगे, कितनी बार छिड़कना था?

याजक को यहोवा के सामने, पवित्रस्थान के बीचवाले पर्दे के आगे, पापबलि के लहू को सात बार छिड़कना था।

लैव्यव्यवस्था 4:11

बछड़े के कौन से हिस्से यहोवा के लिए शुद्ध किए गए स्थान पर ले जाकर राख पर डाले जाने थे?

बछड़े की खाल, पाँव, सिर, अंतड़ियाँ और गोबर राख के पास ले जाया जाना था।

लैव्यव्यवस्था 4:15

यदि इस्राएल की सारी मण्डली अनजाने में पाप कर दे, तो पापबलि पर किसे अपने हाथ रखना था?

यदि पूरे इस्राएल की सारी मण्डली अनजाने में पाप कर बैठती है, तो बुज़ुर्गों को पापबलि पर अपने हाथ रखने थे।

लैव्यव्यवस्था 4:20

यदि इस्राएल की सभा पापबलि की आज्ञा के अनुसार चले, तो उनके साथ क्या होगा?

यदि इस्राएल की सभा पापबलि की आज्ञा का पालन करे, तो उन्हें क्षमा मिल जाएगी।

लैव्यव्यवस्था 4:23

यदि कोई प्रधान पुरुष पाप करे, तो कौन सा पशु अर्पित किया जाना चाहिए था?

यदि कोई प्रधान पुरुष पाप करे, तो एक निर्दोष बकरा बलिदान करने के लिये ले आए

लैव्यव्यवस्था 4:27

यदि साधारण लोग पाप करें तो उन्हें बलि के रूप में क्या लाना होता था?

यदि साधारण लोग पाप करे, तो उन्हें पापबलि के लिए एक निर्दोष बकरी लानी होती थी।

लैव्यव्यवस्था 4:32

क्या कोई मनुष्य पापबलि के लिए एक निर्दोष मेम्ना-मादा ला सकता था?

हाँ, मनुष्य पापबलि के लिए एक निर्दोष मेम्ना-मादा ला सकता था।।

लैव्यव्यवस्था 5:1

ऐसा कौन सा पाप है जिसके लिए किसी को अपने अधर्म का भार उठाना पड़ेगा?

यदि किसी ने कुछ ऐसा देखा या सुना हो और साक्षी देने की आवश्यकता होने पर साक्षी न दे, तो उसे अपने अधर्म का भार उठाना पड़ेगा।

लैव्यव्यवस्था 5:2

जो कोई परमेश्वर द्वारा अशुद्ध ठहराई गई किसी वस्तु को छूता है, उसे क्या ठहराया जाता था।

यदि कोई किसी ऐसी वस्तु को छूता जिसे परमेश्वर ने अशुद्ध ठहराया हो, तो उस व्यक्ति को अशुद्ध और दोषी ठहराया जाता था।

लैव्यव्यवस्था 5:5–6

जिसने पाप किया है, उसे कौन-कौन सी दो बातें करनी चाहिए?

जिसने कोई पाप किया है, उसे अपने किए गए पाप को मान कर और अपनी दोषबलि को यहोवा के पास लानी चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 5:6

दोषबलि के लिए यहोवा के पास कौन सा पशु लाना चाहिए?

यहोवा के लिए दोषबलि के रूप में एक मादा भेड़ या बकरी लानी चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 5:7

यदि कोई एक मेम्ना खरीदने का खर्च नहीं उठा सकता, तो वह यहोवा के लिए पापबलि के रूप में क्या ला सकता है?

यदि कोई एक मेम्ना खरीदने में सक्षम नहीं था, तो वह यहोवा के लिए पापबलि के रूप में दो पिण्डुक या कबूतरी के दो बच्चे ला सकता था।

लैव्यव्यवस्था 5:11

यदि कोई दो पिण्डुक या कबूतरी के दो बच्चे नहीं दे सकता, तो वह अपनी पापबलि के लिए क्या ला सकता था?

यदि कोई दो पिण्डुक या कबूतरी के दो बच्चे नहीं दे सकता, तो वह एपा का दसवाँ भाग मैदा उस पर न तो वह तेल डाले, और न लोबान रखे, चढ़ा सकता था।

लैव्यव्यवस्था 5:15

यदि कोई यहोवा की पवित्र की हुई वस्तुओं के विषय में भूल से विश्वासघात करे और पापी ठहरे, तो उसे कौन-सी बलि चढ़ानी होती थी?

इस बलि में एक निर्दोष मेढ़ा होना चाहिए, उसका दाम पवित्रस्थान के शेकेल के अनुसार उतने ही शेकेल चाँदी का हो जितना याजक ठहराए।

लैव्यव्यवस्था 6:1–4

यदि किसी ने अपने पड़ोसी के खिलाफ पाप किया हो तो उसे क्या करना चाहिए?

यदि किसी व्यक्ति ने अपने पड़ोसी के खिलाफ पाप किया, तो उसे जो कुछ उसने लिया था या जो पड़ी हुई वस्तु उसने पाई थी, उसे लौटाना आवश्यक था।

लैव्यव्यवस्था 6:5

जिसने किसी मामले के बारे में झूठ बोला, उसे क्या करना पड़ता था?

यदि किसी ने किसी मामले में झूठ बोला, तो उसे पूरी रकम लौटानी पड़ती थी और इसके ऊपर एक-पाँचवाँ भाग और जोड़ना पड़ता था।

लैव्यव्यवस्था 6:6

यदि कोई उपरोक्त पापों का दोषी होता था, तो उसे दोषबलि के लिए याजक के पास क्या लाना पड़ता था?

यदि कोई उपरोक्त पापों का दोषी होता, तो उन्हें एक निर्दोष मेढ़ा लाना पड़ता था।

लैव्यव्यवस्था 6:9

होमबलि ईंधन के ऊपर कितने समय तक रहती थी?

होमबलि ईंधन के ऊपर रात भर भोर तक रहती थी।

लैव्यव्यवस्था 6:10

याजक को वेदी से राख हटाने के लिए क्या पहनना होता था?

याजक को वेदी से राख हटाने के लिए सनी के वस्त्र और सनी की जाँघिया पहनना होता था।

लैव्यव्यवस्था 6:11

याजक को राख को छावनी के बाहर ले जाने से पहले क्या करना आवश्यक था?

याजक को अपने सनी वस्त्र उतारने होते थे और छावनी से राख ले जाने से पहले अन्य वस्त्र पहनने होते थे।

लैव्यव्यवस्था 6:12–13

कौन-सी चीज़ हमेशा चलती रहनी चाहिए थी?

वेदी पर आग को हर समय जलते रहना चाहिए था।

लैव्यव्यवस्था 6:16

बचे हुए अन्नबलि के साथ याजकों को क्या करना होता था?

याजक बिना खमीर वाली बची अन्नबलि खा सकते थे।

लैव्यव्यवस्था 6:20

जब उनके पुत्रों को अभिषिक्त किया गया, तो हारून के पुत्रों को क्या करना पड़ता था?

हारून के पुत्रों को एक एपा का दसवाँ भाग मैदा की अन्नबलि चढ़ानी पड़ती थी, आधा सुबह और आधा शाम को।

लैव्यव्यवस्था 6:21

इस अन्नबलि को कैसे तैयार करना पड़ता था?

इस अन्नबलि को तवे पर तेल के साथ पकाना पड़ता था, वह तेल से तर हो जाए, फिर टुकड़ों में सेंकना पड़ता था।

लैव्यव्यवस्था 6:22

यह अन्नबलि कौन चढ़ाएगा?

हारून के पुत्रों में से जो भी उस याजकपद पर अभिषिक्त होगा, वह इस अन्नबलि को चढ़ाएगा।

लेव्यव्यवस्था 6:26

पापबलि के नियम के अनुसार, याजक को इस बलि के साथ क्या करना पड़ता था?

याजक को पापबलि खानी पड़ती थी।

लैव्यव्यवस्था 6:28

जिस मिट्टी के बर्तन में पापबलि उबाली जाती थी, उसे क्या करना पड़ता था?

जिस मिट्टी के बर्तन में पापबलि उबाली जाती थी, उसे तोड़ना आवश्यक था।

लैव्यव्यवस्था 6:30

पाप बलि का कौन सा हिस्सा नहीं खाना होता था?

जिस पापबलि पशु के लहू में से कुछ भी लहू मिलापवाले तम्बू के भीतर पवित्रस्थान में प्रायश्चित करने को पहुँचाया जाता था, उसका कोई भी भाग नहीं खाना होता था।

लैव्यव्यवस्था 7:7

दोषबलि किस प्रकार की भेंट थी?

पापबलि दोषबलि के समान था।

लैव्यव्यवस्था 7:8

याजक होमबलि से क्या रख सकते थे?

याजक उस बलि की खाल अपने पास रख सकते थे।

लैव्यव्यवस्था 7:9–10

कौन-सी बलि याजक की होती थी?

अन्नबलि याजक के लिए थी।

लैव्यव्यवस्था 7:17

जो कुछ बलिदान के माँस में से तीसरे दिन तक रह जाए, उसके साथ क्या करना पड़ता था?

जो कुछ बलिदान के माँस में से तीसरे दिन तक रह जाए वह आग में जला देना पड़ाता था।

लैव्यव्यवस्था 7:25–26

जो कोई भी किसी पशु की चर्बी या किसी पक्षी या पशु का रक्त खाए, उसके साथ क्या करना पड़ता था?

जो कोई भी किसी पशु की चर्बी या किसी पक्षी या पशु का रक्त खाए, उसे अपने लोगों से अलग कर दिया जाना चाहिए था।

लैव्यव्यवस्था 7:32

जब चर्बी वेदी पर जलाई जाती, तो याजक को क्या देना पड़ता था?

वेदी पर चर्बी जलाने के बाद, दाहिनी जाँघ याजक को दी जाती थी।

लैव्यव्यवस्था 8:1

यहोवा ने मूसा से हारून और उसके पुत्रों के साथ क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा कि हारून और उसके पुत्रों के वस्त्रों, और अभिषेक के तेल, और पापबलि के बछड़े, और दोनों मेढ़ों, और अख़मीरी रोटी की टोकरी को मिलापवाले तम्बू के द्वार पर ले जाएँ।

लैव्यव्यवस्था 8:3

यहोवा ने मूसा से मिलापवाले तम्बू के द्वार पर किसे बुलाने को कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा कि वे सारी मण्डली को मिलापवाले तम्बू के द्वार पर इकट्ठा करें।

लैव्यव्यवस्था 8:7

मूसा ने हारून को कौन से वस्त्र पहनाए?

मूसा ने हारून को एक अंगरखा, कमरबन्ध और बागा पहनाया।

लैव्यव्यवस्था 8:8

मूसा ने चपरास में क्या रखा था?

मूसा ने ऊरीम और तुम्मीम को चपरास में रखा।

लैव्यव्यवस्था 8:9

पवित्र मुकुट क्या है?

पवित्र मुकुट सोने के टीके के समान था।

लैव्यव्यवस्था 8:10

मूसा ने अभिषेक के तेल का क्या उपयोग किया?

मूसा ने अभिषेक का तेल लेकर निवास का और जो कुछ उसमें था उन सब का भी अभिषेक करके उन्हें पवित्र किया।

लैव्यव्यवस्था 8:12

मूसा ने हारून का अभिषेक कैसे किया?

मूसा ने हारून का अभिषेक के तेल से अभिषेक करके उन्हें पवित्र किया।

लैव्यव्यवस्था 8:14-15

मूसा ने पापबलि के बछड़े के लहू का क्या किया?

मूसा ने लहू लिया और अपनी उँगली से वेदी के सींगों पर लगाया। फिर उन्होंने लहू को वेदी के पाए पर उण्डेल दिया।

लैव्यव्यवस्था 8:18-19

मूसा ने होमबलि के लिए उपयोग किए गए मेढ़े के लहू का क्या किया?

मूसा ने मेढ़े को बलि किया और उसके लहू को वेदी के चारों ओर छिड़का।

लैव्यव्यवस्था 8:23

मूसा ने दूसरे मेढ़े को जो संस्कार का मेढ़ा था, उसके कुछ लहू के साथ क्या किया?

मूसा ने संस्कार के मेढ़े का कुछ लहू लिया और हारून के दाहिने कान के सिरे पर और उसके दाहिने हाथ और दाहिने पाँव के अँगूठों पर लगाया।

लैव्यव्यवस्था 8:35

याजकों को मिलापवाले तम्बू के द्वार पर कितने समय तक ठहरना था?

याजकों को सात दिन और सात रातों तक मिलापवाले तम्बू के द्वार पर रहना था।

लैव्यव्यवस्था 8:36

यहोवा ने हारून और उनके पुत्रों से जो करने के लिए कहा था, उस पर उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

उन्होंने सब आज्ञाओं के अनुसार किया जो परमेश्वर ने मूसा के माध्यम से उन्हें दिए थे।

लैव्यव्यवस्था 9:1

मूसा ने हारून, उनके पुत्रों और इस्राएली पुरनियों को किस दिन बुलाया?

मूसा ने आठवें दिन हारून, उसके बेटों और इस्राएली पुरनियों को बुलाया।

लैव्यव्यवस्था 9:2

मूसा ने हारून और उनके पुत्रों से यहोवा के सामने भेंट चढ़ाने के लिए कौन से दो पशु लाने के लिए कहा?

मूसा ने हारून से कहा कि वे एक निर्दोष बछड़ा और एक निर्दोष मेढ़ा लाएँ।

लैव्यव्यवस्था 9:3–4

मूसा ने हारून के माध्यम से इस्राएल के लोगों से यहोवा के सम्मुख चढ़ाने के लिये कौन से जानवर को कहें?

मूसा ने हारून से कहा कि वह लोगों से यहोवा के सम्मुख चढ़ाने के लिये एक बकरा, एक बछड़ा, एक भेड़ का बच्चा, एक बैल, और एक मेढ़ लाने के लिए कहें।

लैव्यव्यवस्था 9:6

यहोवा ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा क्यों दी?

यहोवा ने उन्हें यह करने की आज्ञा दी ताकि उनकी महिमा का तेज उनके समक्ष प्रकट हो सके।

लैव्यव्यवस्था 9:22

हारून ने मूसा के कहने पर भेंट चढ़ाने के बाद, लोगों के लिए क्या किया?

हारून ने भेंट चढ़ाने के बाद अपने हाथ बढ़ाकर लोगों को आशीर्वाद दिया।

लैव्यव्यवस्था 9:24

जब यहोवा का तेज सारी जनता को दिखाई दिया, तब क्या हुआ?

जब यहोवा का तेज सारी जनता को दिखाई दिया, तब आग निकली चर्बी सहित होमबलि को वेदी पर भस्म कर दिया।

लैव्यव्यवस्था 9:24 (#2)

जब यहोवा के सामने से आग निकली, तब जनता ने क्या किया?

जब यहोवा के सामने से आग निकली, तब जनता ने जय जयकार का नारा लगाया, और अपने-अपने मुँह के बल गिरकर दण्डवत् किया।

लैव्यव्यवस्था 10:1

किसने अनुचित आग यहोवा के सम्मुख अर्पित किया?

नादाब और अबीहू, जो हारून के पुत्र थे, उन्होंने यहोवा को अनुचित आग अर्पित की।

लैव्यव्यवस्था 10:2

इस कार्य के परिणामस्वरूप इन दोनों के साथ क्या हुआ?

यहोवा के सम्मुख से आग निकली और उन दोनों को भस्म कर दिया।

लैव्यव्यवस्था 10:4

मूसा ने छावनी से शवों को बाहर ले जाने के लिए किन्हें बुलाया था?

मूसा ने उज्जीएल के पुत्र मीशाएल और एलसाफान को, जो हारून के चाचा थे, शवों को ले जाने के लिए बुलाया।

लैव्यव्यवस्था 10:7

मूसा ने हारून और उनके पुत्रों से क्या कहा?

मूसा ने उनसे कहा कि वे मिलापवाले तम्बू से बाहर न जाएं, अन्यथा वे मर जाएंगे।

लैव्यव्यवस्था 10:9

यहोवा ने हारून और उनके पुत्रों से क्या कहा कि उन्हें क्या नहीं पीना चाहिए?

यहोवा ने हारून और उनके पुत्रों से कहा कि जब वे मिलापवाले तम्बू में प्रवेश कर रहे हों, तो उन्हें दाखमधु या किसी प्रकार का मद्य नहीं पीना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 10:16

मूसा हारून के शेष पुत्रों, एलीआज और ईतामार पर क्यों क्रोध में आए?

मूसा एलीआजर और ईतामार से क्रोधित हुए क्योंकि उन्होंने पापबलि की बकरे को जलने दिया था।

लैव्यव्यवस्था 11:3

यहोवा ने मूसा और हारून को क्या कहा कि इस्राएल के लोग पृथ्वी पर रहने वाले कौन से जीव खा सकते हैं?

यहोवा ने मूसा और हारून से कहा कि वे इस्राएल के लोगों से कहें कि वे उन सभी पशुओं को खा सकते है जिनके चिरे या फटे खुर के होते हैं और पागुर करते हैं।

लैव्यव्यवस्था 11:4

क्या लोगों को केवल फटे खुर वाले या केवल पागुर करने वाले पशुओं को खाने की अनुमति थी?

यदि किसी पशु में इन दो गुणों में से केवल एक गुण होता, तो उसे खाने की अनुमति नहीं थी।

लैव्यव्यवस्था 11:9

इस्राएल के लोग कौन से जलजन्तुओं को खा सकते थे?

इस्राएल के लोग जल में रहने वाले उन जन्तुओं को खा सकते थे जिनके पंख और चोंयेटे होते हैं।

लैव्यव्यवस्था 11:13–16

यहोवा ने किस प्रकार के बाज़, चील और कौवे को अशुद्ध कहा है और जिन्हें नहीं खाया जा सकता?

यहोवा ने कहा कि बाज, गिद्ध या कौवे नहीं खाए जा सकते। उन सभी से घृणा की जानी चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 11:21

लोग किस प्रकार के कीड़ों का सेवन कर सकते हैं?

कीड़े जो रेंगनेवाले और पंखवाले जो चार पाँवों के बल चलते हैं और जमीन पर कूदते हैं, उन्हें लोग खा सकते हैं।

लैव्यव्यवस्था 11:23

लोगों को रेंगनेवाले पंखवाले कीड़ों के साथ क्या करना चाहिए जो मक्खी हैं?

लोगों को किसी भी चार पैरों वाले उड़ने वाले कीड़े से घृणा करनी चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 11:29–30

जमीन पर रेंगने वाले कौन से जीव अशुद्ध माने जाते हैं?

नेवला, चूहा, और भाँति-भाँति के गोह, छिपकली, मगर, टिकटिक, सांडा, और गिरगिट को अशुद्ध माना जाता है।

लैव्यव्यवस्था11:35

यदि इनकी लोथ में का कुछ तंदूर या चूल्हे पर पड़े, तो उसका क्या करना चाहिए?

जो कुछ भी किसी अशुद्ध पशु को छूता है, वह अशुद्ध हो जाता है।

लैव्यव्यवस्था 11:42

पृथ्वी पर रेंगने वाले जीवों के बारे में यहोवा क्या कहते हैं?

पृथ्वी पर रेंगने वाले जीव घिनौने हैं।

लैव्यव्यवस्था 11:45

यहोवा ने यह क्यों कहा कि इस्राएल के लोगों को पवित्र होना चाहिए?

यहोवा ने कहा कि लोग पवित्र होने चाहिए क्योंकि वह स्वयं पवित्र है।

लैव्यव्यवस्था 12:2–3

यहोवा ने मूसा से उन स्त्रियों के विषय में क्या कहा जो लड़के को जन्म देती थीं?

यहोवा ने मूसा से कहा कि जो स्त्री लड़के को जन्म देगी वह सात दिन तक अशुद्ध रहेगी और आठवें दिन बच्चे का खतना किया जाएगा।

लैव्यव्यवस्था 12:4

अशुद्ध होने के बाद एक स्त्री को क्या करना आवश्यक था?

उसे तैंतीस दिनों तक शुद्धिकरण से गुजरना था और इस दौरान तम्बू में प्रवेश नहीं करना था या किसी भी पवित्र वस्तु को छूना नहीं था।

लैव्यव्यवस्था 12:5

यदि किसी स्त्री ने एक लड़की शिशु को जन्म दिया, तो उसे अलग तरीके से क्या करना आवश्यक था?

यदि कोई स्त्री लड़की को जन्म देती थी तो उसे दो सप्ताह तक अशुद्ध रहना पड़ता था और छियासठ दिन तक शुद्धिकरण से गुजरना पड़ता था।।

लैव्यव्यवस्था 12:6

शुद्ध हो जाने के दिन पूरे होने पर एक स्त्री को क्या करना आवश्यक था?

शुद्ध हो जाने के दिन पूरे होने पर स्त्री को याजक के पास होमबलि के लिए एक वर्ष का भेड़ का बच्चा, और पापबलि के लिये कबूतरी का एक बच्चा या पिण्डुकी लाना होता था।

लैव्यव्यवस्था 12:8

यदि वह स्त्री, जिसने एक बालक को जन्म दिया, एक मेम्ना खरीदने में सक्षम नहीं थीं, तो क्या करना पड़ता था?

यदि स्त्री एक मेम्ना खरीदने में सक्षम न हो, तो उन्हें होमबलि और दूसरा पापबलि के लिए दो पिण्डुकी या कबूतरी के दो बच्चे लाने की आवश्यकता थी।

लैव्यव्यवस्था 12:8 (#2)

इन कामों को करने के बाद उस स्त्री का क्या होगा?

जब याजक उसके लिये प्रायश्चित करे, तब वह शुद्ध हो जाएगी।

लैव्यव्यवस्था 13:2

यहोवा ने क्या कहा कि यदि किसी मनुष्य के शरीर के चर्म में सूजन या पपड़ी या दाग हो जो संक्रमित हो गया हो तो उसे क्या करना चाहिए?

यहोवा ने कहा कि जिन्हें भी त्वचा संक्रमण हो, उन्हें हारून या उनके पुत्रों में से किसी एक, याजकों के पास आना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 13:4

यदि याजक यह निर्धारित करता है कि चर्म में सूजन या पपड़ी या दाग संक्रामक नहीं है तो क्या किया जाना चाहिए?

यदि याजक यह निर्धारित नहीं कर सकते कि सूजन, पपड़ी, या दाग संक्रामक है, तो व्यक्ति को पुनः जांच के लिए एक सप्ताह के लिए अलग रखा जाना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 13:6

यदि चर्म में सूजन या पपड़ी या दाग संक्रामक साबित नहीं होता, तो क्या होगा?

यदि चर्म में सूजन या पपड़ी या दाग संक्रामक नहीं है, तो याजक उसको शुद्ध ठहराए तब वह अपने वस्त्र धो ले।

लैव्यव्यवस्था 13:9–10

सूजन, पपड़ी, या दाग किन तीन स्थितियों में संक्रामक घोषित किया जा सकता है?

तीन स्थितियाँ जो सूजन, पपड़ी, या दाग संक्रामक होने का संकेत दे सकती हैं, वे हैं यदि वह सूजन उसके चर्म में उजली हो, रोएँ भी उजले हो, और सूजन में बिना चर्म का माँस हो।

लैव्यव्यवस्था 13:11

यदि याजक यह निर्धारित करे कि यह एक पुराना कोढ़ है, तो याजक को क्या करना चाहिए?

यदि याजक यह निर्धारित करे कि यह एक पुराना कोढ़ है, तो उसे उस को अशुद्ध घोषित करे, परन्तु याजक उसे बन्द न रखे।

लैव्यव्यवस्था 13:14

यदि चर्म रोग किसी के पूरे शरीर को ढक लेता है और उसमें चर्महीन माँस देख पड़े, तो उस को क्या घोषित किया जाता है?

यदि चर्म रोग किसी के पूरे शरीर को ढक लेता है और उसमें चर्महीन माँस देख पड़े, तो उस को अशुद्ध घोषित किया जाता है।

लैव्यव्यवस्था 13:16–17

अशुद्ध मनुष्य फिर से शुद्ध कैसे हो सकता है?

अशुद्ध मनुष्य फिर से शुद्ध हो सकता है यदि चर्महीन माँस फिर उजला हो जाए और याजक रोगी को शुद्ध घोषित करे।

लैव्यव्यवस्था 13:18–19

यदि याजक उस व्यक्ति की जाँच करे जिसे फोड़ा हुआ था, पर अब उस स्थान पर सूजन या चमकीला दाग दिखाई दे जो चमड़ी के नीचे गहराई तक फैला हो और

वहाँ के बाल सफेद हो गए हों, तो याजक को क्या करना चाहिए?

याजक को उसको अशुद्ध घोषित करे।

लैव्यव्यवस्था 13:29

यदि सिर या दाढ़ी पर कोई संक्रामक रोग पाया जाता है, तो वह कौन सा संक्रामक रोग हो सकता है जो पुरुष या स्त्री को अशुद्ध कर सकता है?

यदि किसी पुरुष या स्त्री के सिर या दाढ़ी में व्याधि है, तो यह संक्रामक हो सकती है और उस मनुष्य को अशुद्ध कर सकती है।

लैव्यव्यवस्था 13:40

जिस पुरुष के बाल झड़ गए हों, उसे क्या कहा जाएगा?

जिस पुरुष के बाल झड़ गए हों, उसे शुद्ध कहा जाएगा।

लैव्यव्यवस्था 13:44

मनुष्य के गंजे सिर पर कौन-सी एक स्थिति होने पर उसे अशुद्ध घोषित किया जाएगा?

यदि गंजे व्यक्ति के सिर पर लाल-सफेद घाव हों और याजक यह ठहराए कि वह संक्रामक रोग है, तो उसे अशुद्ध घोषित किया जाएगा।

लैव्यव्यवस्था 13:45-46

अशुद्ध मनुष्य को दूसरों को यह बताने के लिए क्या करना चाहिए कि वह अशुद्ध हैं?

उस कोढ़ी के वस्त्र फटे और सिर के बाल बिखरे रहने चाहिए, अपने ऊपरवाले होंठ को ढाँपे हुए, दूसरों की उपस्थिति में "अशुद्ध, अशुद्ध" पुकारना चाहिए। उन्हें छावनी के बाहर अकेले रहना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 13:57

यदि किसी ऊन या सनी के वस्त्र, चमड़े या चमड़े की बनी किसी वस्तु में व्याधि पाई जाए, तो याजक को क्या करना चाहिए?

यदि ऊन या चमड़े का कोई वस्त्र या चमड़े से बनी कोई भी चीज व्याधि पाई जाती है, तो याजक को उसे जला देना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 14:3

शुद्ध होने के दिन याजक को उस रोगी की जाँच कहाँ करनी चाहिए?

याजक को छावनी के बाहर रोगी की जांच करनी चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि व्याधि चंगी हुई है या नहीं।

लैव्यव्यवस्था 14:4

शुद्ध ठहराने की घोषणा के लिए याजक उस रोगी को क्या लाने की आज्ञा देता था?

याजक रोगी को दो शुद्ध और जीवित पक्षी, देवदार की लकड़ी, और लाल रंग का कपड़ा और जूफा लाने की आज्ञा देता था।

लैव्यव्यवस्था 14:7

जब याजक जीवित पक्षी को देवदार की लकड़ी और लाल रंग के कपड़े और जूफा इन सभी को लेकर एक संग उस पक्षी के लहू में जो बहते हुए जल के ऊपर बलि किया जाता था, उसको रोगी पर सात बार छिड़कता, तब वह उस बचे हुए पक्षी के साथ क्या करता था?

याजक रोगी के ऊपर उस मिश्रण को सात बार छिड़कने के बाद, उस जीवित पक्षी को मैदान में छोड़ देता था।

लैव्यव्यवस्था 14:8-9

याजक द्वारा शुद्ध ठहराने के बाद उस मनुष्य को क्या करना था?

जिस मनुष्य को शुद्ध ठहराया जा रहा है, वह अपने वस्त्रों को धोए, और सब बाल मुँण्डवाकर जल से स्नान करे, और सात दिनों तक अपने डेरे के बाहर रहे।

लैव्यव्यवस्था 14:10

आठवें दिन, शुद्ध किया जाने वाला व्यक्ति यदि ला सकता है, तो उसे याजक के पास कौन से पशु लाने थे?

आठवें दिन, यदि शुद्ध किया जाने वाला व्यक्ति वहन कर सकता है, तो उसे याजक के पास दो निर्दोष भेड़ के बच्चे, एक वर्ष की निर्दोष भेड़ की बच्ची, तेल से सना हुआ एपा का तीन दहाई अंश मैदा, और लोज भर तेल लाना था।

लैव्यव्यवस्था 14:21

यदि शुद्ध किया जा रहा मनुष्य दरिद्र हैं और इन बलिदानों का खर्च नहीं उठा सकता, तो वे इसके स्थान पर क्या ला सकते हैं?

यदि शुद्ध किए जा रहे व्यक्ति दरिद्र हैं और मेम्नों का खर्च नहीं उठा सकता, तो वह भेड़ का बच्चा, एपा का दसवाँ अंश मैदे के साथ मिलाकर, लोज भर तेल, दो पंडुक, या कबूतरी के दो बच्चे ला सकता था।

लैव्यव्यवस्था 14:28–29

शुद्धि के लिए उपयोग किए जाने वाले तेल को याजक कहाँ लगाता है?

याजक तेल को शुद्ध किए जाने वाले व्यक्ति के दाहिने कान, दाहिने अंगूठे, दाहिने पैर के अंगूठे पर लगाता था, और शेष तेल उसके सिर पर डालता था।

लैव्यव्यवस्था 14:44

किस कारण से एक घर को याजक अशुद्ध ठहरा सकता था?

यदि किसी घर में ऐसी व्याधि है जिसे रोका नहीं जा सकता, तो एक याजक द्वारा उसे अशुद्ध घोषित किया जा सकता था।

लैव्यव्यवस्था 14:45

यदि व्याधि फैलती है और इसे रोका नहीं जा सकता, तो घर को क्या हो सकता था?

यदि व्याधि फैलती है और इसे रोका नहीं जा सकता, तो घर नष्ट हो सकता था।

लैव्यव्यवस्था 14:52

यदि व्याधि को रोका जाए तो घर को स्वच्छ कैसे कहा जा सकता था?

घर को एक याजक द्वारा पक्षी के लहू और बहते हुए जल, और जीवित पक्षी, और देवदार की लकड़ी, और जूफा और लाल रंग के कपड़े के द्वारा घर को पवित्र किया जा सकता था।

लैव्यव्यवस्था 15:3

यहोवा ने मूसा और हारून से कहा कि जिस पुरुष को प्रमेह है, उसकी क्या स्थिति मानी जाएगी?

यहोवा ने मूसा और हारून से कहा कि जिस किसी पुरुष को शरीर से प्रमेह हो रहा, वह अशुद्ध है।

लैव्यव्यवस्था 15:7

उस व्यक्ति के साथ क्या होता है जो उस व्यक्ति को छूता है जो प्रमेह के कारण अशुद्ध हैं?

जिसके प्रमेह हो उससे जो कोई छू जाए वह अपने वस्त्रों को धोकर जल से स्नान करे और साँझ तक अशुद्ध रहे।

लैव्यव्यवस्था 15:13

प्रमेह से शुद्ध होने वाले व्यक्ति को किस प्रकार के जल में स्नान करना चाहिए?

प्रमेह से शुद्ध हो रहे व्यक्ति को बहते जल में स्नान करना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 15:15

अशुद्ध मनुष्य को पापबलि और होमबलि के लिये याजक के पास क्या चढ़ाना चाहिए?

अशुद्ध व्यक्ति को पापबलि और होमबलि के लिए याजक के पास दो कबूतर या कबूतर के दो बच्चे चढ़ाने चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 15:16–18

किसी वस्तु या व्यक्ति की क्या स्थिति होगी जो किसी पुरुष के वीर्य के संपर्क में आ जाए?

उन्हें पानी से धोना चाहिए और वे शाम तक अशुद्ध रहेंगे।

लैव्यव्यवस्था 15:19

स्त्री ऋतुमती के बाद कितने समय तक अशुद्ध मानी जाएगी?

वह सात दिनों तक अशुद्ध रहेंगी।

लैव्यव्यवस्था 15:24

यदि कोई पुरुष किसी ऋतुमती स्त्री के साथ सोए और उसका रूधिर उसके लग जाए, तो वह कितने समय तक अशुद्ध रहेगा?

वह सात दिनों तक अशुद्ध रहेगा।

लैव्यव्यवस्था 15:29

एक स्त्री को अपने लहू के प्रवाह के रुकने के आठवें दिन बलिदान के रूप में क्या लाना चाहिए?

उन्हें दो पंडुक या कबूतरी के दो बच्चे लाने थे।

लैव्यव्यवस्था 16:2

यहोवा ने मूसा से हारून को क्या चेतावनी देने को कहा कि वह परदे के अन्दर अति पवित्रस्थान में प्रवेश करते समय क्या न करे?

यहोवा ने मूसा से कहा कि वह हारून को चेतावनी दे कि वह अति पवित्रस्थान में हर समय न प्रवेश करे।

लैव्यव्यवस्था 16:3

जब हारून अति पवित्र स्थान में प्रवेश करे, तो उन्हें अपने साथ क्या ले जाना था?

हारून को अपने साथ पापबलि के लिए एक बछड़े को और होमबलि के लिये एक मेढ़े को ले जाना था।

लैव्यव्यवस्था 16:4

हारून को याजकीय वस्त्र पहनने से पहले क्या करना आवश्यक था?

हारून को याजकीय वस्त्र पहनने से पहले जल में स्नान आवश्यक था।

लैव्यव्यवस्था 16:5

हारून को दो बकरे और एक मेढ़ा कौन देगा?

इस्राएल की मण्डली को हारून को दो बकरे और एक मेढ़ा देना था।

लैव्यव्यवस्था 16:8

हारून ने बकरों पर चिट्ठियाँ क्यों डालीं?

हारून ने बकरों पर चिट्ठियाँ डालीं ताकि यह तय कर सकें कि किसे यहोवा को अर्पित करना है और किसे बलि का बकरा बनाना है।

लैव्यव्यवस्था 16:10

उस बकरी का क्या होता है जिसे अजाजेल बनाया जाता है?

जिस बकरे के नाम पर अजाजेल चुना जाता है, उसे प्रायश्चित के लिए यहोवा के सामने पेश किया जाता था और फिर उसे जंगल में भेज दिया जाता था।

लैव्यव्यवस्था 16:11

हारून किसके लिए बछड़े की बलि चढ़ाते हैं?

हारून अपने और अपने परिवार के लिए पापबलि के रूप में एक बछड़े को बलिदान करते हैं।

लैव्यव्यवस्था 16:13

वाचा की आज्ञाओं के ऊपर जो प्रायश्चित्त का ढक्कन है, उसे किससे ढका होना चाहिए ताकि हारून न मरे?

प्रायश्चित्त के ढक्कन को धूप का धुआँ साक्षीपत्र के ऊपर के प्रायश्चित के ढकने के ऊपर छा जाए ताकि हारून न मरे।

लैव्यव्यवस्था 16:17

जब हारून अति पवित्र स्थान में प्रायश्चित करते हैं, तो उनके साथ तम्बू में और कौन होना चाहिए?

जब हारून अति पवित्र स्थान में प्रायश्चित करते हैं, तो तम्बू में कोई और नहीं होना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 16:21

जब हारून बलि के बकरे के सिर पर अपने हाथ रखते हैं, तो उन्हें क्या करना चाहिए?

हारून को बलि के बकरे पर इस्राएलियों के सब अधर्म के कामों, उनकी सारी बगावत और उनके सारे पापों को स्वीकार करना होगा।

लैव्यव्यवस्था 16:23

हारून को याजकीय वस्त्रों का क्या करना था?

हारून को याजकीय वस्त्र उतारने हैं और उन्हें मिलापवाले तम्बू में छोड़ देना था।

लैव्यव्यवस्था 16:29

यहोवा ने प्रायश्चित का दिन कब निर्धारित किया?

सातवें महीने के दसवें दिन, प्रत्येक वर्ष प्रायश्चित किया जाएगा।

लैव्यव्यवस्था 17:3–4

यदि कोई पुरुष बैल, भेड़ के बच्चे या बकरी को मारकर उसे यहोवा के बलिदान के रूप में मिलापवाले तम्बू के द्वार पर नहीं लाता, तो वह किस पाप का दोषी ठहरता था?

जो व्यक्ति बैल, भेड़ के बच्चे या बकरी को मारकर उसे यहोवा के बलिदान के लिए मिलापवाले तम्बू के द्वार पर नहीं लाता, वह लहू बहानेवाला ठहरेगा और वह अपने लोगों के बीच से नष्ट किया जाए।

लैव्यव्यवस्था 17:5

इस आज्ञा का उद्देश्य क्या था?

इस आज्ञा का उद्देश्य यह था कि लोग खुले मैदान में बलिदान चढ़ाने के बजाय अपने बलिदान मिलापवाले तम्बू के द्वार पर यहोवा को चढ़ाएँ।

लैव्यव्यवस्था 17:7

यह विधि क्या समाप्त करेगा?

यह विधि लोगों को बकरे की मूर्तियों को भेंट चढ़ाने से रोकेगा।

लैव्यव्यवस्था 17:11

यहोवा के अनुसार प्रायश्चित क्या होता है?

यहोवा कहते हैं कि लहू प्रायश्चित के लिए होता है।

लैव्यव्यवस्था 17:13

यहोवा क्या कहते हैं कि इस्राएल के किसी भी मनुष्य या उनके बीच रहने वाले किसी भी परदेशी द्वारा खाने के लिए मारे गए किसी भी पशु या पक्षी के साथ क्या करना चाहिए?

यहोवा कहते हैं कि इस्राएल का कोई भी व्यक्ति या उनके बीच रहने वाला कोई परदेशी जो खाने के लिए किसी पशु या पक्षी को मारता है, वह उसके लहू को उण्डेलकर धूलि से ढाँप दे।

लैव्यव्यवस्था 17:1517:15

यदि कोई मनुष्य किसी लोथ या फाड़े हुए पशु का माँस खाए, उसे क्या करना चाहिए?

जिस कोई लोथ या फाड़े हुए पशु का माँस खाए, उसे अपने वस्त्र धोने चाहिए और पानी में स्नान करना चाहिए, और वह शाम तक अशुद्ध रहेगा।

लैव्यव्यवस्था 17:15 (#2)

यदि वह अपने वस्त्र नह धोए और जल में स्नान न करे, तो उसे क्या करना चाहिए?

यदि वे अपने वस्त्र नहीं धोते हैं और जल में स्नान नहीं करते हैं, तो उन्हें अपने दोष का भार उठाना होगा।

लैव्यव्यवस्था 18:3

यहोवा ने किन दो स्थानों के लोगों से कहा कि वे वहाँ के लोगों के समान काम नहीं कर सकते?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे मिस्र या कनान के लोगों के समान आचरण नहीं कर सकते।

लैव्यव्यवस्था 18:6

वह कौन सा समूह है जिसके साथ परमेश्वर ने यौन संबंध रखने से मना किया है?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे किसी भी निकट कुटुम्बिनी के साथ यौन सम्बन्ध नहीं बना सकते हैं।

लैव्यव्यवस्था 18:19

एक पुरुष को स्त्री के मासिक धर्म के दौरान उसके साथ यौन सम्बन्ध क्यों नहीं रखने चाहिए?

एक पुरुष को एक स्त्री के साथ उसके मासिक धर्म के दौरान यौन सम्बन्ध नहीं रखना चाहिए क्योंकि उस समय वह अशुद्ध होती हैं।

लैव्यव्यवस्था 18:21

लोग मोलक को क्या बलिदान नहीं चढ़ा सकते?

लोग अपनी सन्तान को मोलेक के लिए बलिदान नहीं कर सकते हैं।

लैव्यव्यवस्था 18:22–23

पद 22 और 23 किन दो यौन सम्बन्धों की अनुमति नहीं देती हैं?

पद 22 और 23 अन्य पुरुषों या पशुओं के साथ यौन सम्बन्धों की अनुमति नहीं देते हैं।

लैव्यव्यवस्था 18:28

इस्राएलियों के वहाँ बसने से पहले वहाँ रहने वाले लोगों के साथ क्या हुआ?

इस्राएलियों के वहाँ बसने से पहले जो लोग वहाँ रहते थे उन्होंने भूमि को अपवित्र कर दिया, और भूमि ने उन्हें उगल दिया।

लैव्यव्यवस्था 18:29

उन लोगों या परदेशियों के साथ क्या होगा जो उनके बीच रहते हैं और इनमें से कोई भी घिनौना काम करते हैं?

जो भी मनुष्य इनमें से कोई भी घिनौना काम करता है, उसे अपने लोगों में से नष्ट किया जाएगा।

लैव्यव्यवस्था 19:3–4

यहोवा ने लोगों से कौन-कौन सी दो बातें करने के लिए कहा?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे अपने पिता और माता का आदर करें और सब्त का पालन करें।

लैव्यव्यवस्था 19:10

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे अपनी दाख की बारी का दाना-दाना न तोड़ लेना, और अपनी दाख की बारी के झड़े हुए अंगूरों को न बटोरना, ऐसा क्यों?

कटे हुए अनाज और दाख दीन और परदेशी लोगों के लिये छोड़ देना।

लैव्यव्यवस्था 19:15

लोगों को किसके प्रति पक्ष नहीं दिखाना चाहिए?

न्याय में कुटिलता न करना; और न तो कंगाल का पक्ष करना और न बड़े मनुष्यों का मुँह देखा विचार करना; एक दूसरे का न्याय धार्मिकता से करना।

लैव्यव्यवस्था 19:18

लोगों को बदला लेने या बैर रखने के बजाय क्या करना चाहिए?

बदला न लेना, और न अपने जातिभाइयों से बैर रखना।

लैव्यव्यवस्था 19:19

जब लोग खेत में बीज बोते हैं, तो उन्हें क्या करना चाहिए?

जब खेत में रोपण करते हैं, तो लोगों को एक ही खेत में दो प्रकार के बीज नहीं बोने चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 19:25

फल वाले पेड़ को लगाने वाला मनुष्य खुद फल खाने से पहले कितने समय तक प्रतीक्षा करे?

फल वाले पेड़ को लगाने वाले व्यक्ति को पेड़ का फल स्वयं खाने से पहले पाँचवें वर्ष तक प्रतीक्षा करनी चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 19:27

लोगों से किन अन्यजातियों की आदतों का पालन न करने के लिए कहा गया था?

लोगों से कहा गया था कि वे अन्यजातियों की उन आदतों का पालन न करें, जिनमें घेरा रखकर न मुण्डाना, और न अपने गाल के बालों को मुण्डाना शामिल है।

लैव्यव्यवस्था 19:32

यहोवा ने लोगों से किसके सामने खड़े होने और सम्मान देने के लिए कहा?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे पक्के बाल वाले के सामने उठें और बूढ़े का आदरमान करें ।

Leviticus 19:34

यहोवा ने क्यों कहा कि इस्राएल के लोग परदेशियों से वैसे ही प्रेम करें जैसे वे स्वयं से प्रेम करते हैं?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे परदेशियों से प्रेम करें क्योंकि इस्राएल के लोग भी एक समय मिस्र की भूमि में परदेशी थे।

लैव्यव्यवस्था 20:2

इस्राएल के लोगों में से जो कोई भी अपने सन्तान मोलेक को बलिदान करे, उसके साथ क्या होना चाहिए?

जो कोई भी अपने सन्तान मोलेक को बलिदान करे, उसे मार डाला जाए।

लैव्यव्यवस्था 20:3

यदि लोगों ने उसे मृत्यु के लिए नहीं सौंपा, तो यहोवा उस पुरुष के साथ क्या करेंगे?

यदि लोगों ने उन्हें मृत्यु के लिए नहीं सौंपा, यहोवा कहते हैं कि वह उन्हें नाश कर देंगे।

लैव्यवस्था 20:6

यहोवा ने लोगों से किस ओर मुड़ने से मना किया?

यहोवा ने लोगों से कहा कि वे ओझाओं या भूत साधनेवालों की ओर न फिरे।

लैव्यव्यवस्था 20:13

एक पुरुष के दूसरे पुरुष के साथ प्रसंग करे तो उसका परिणाम क्या होता था?

एक पुरुष यदि दूसरे पुरुष के साथ प्रसंग करे, तो वे दोनों घिनौना काम करनेवाले ठहरेंगे और इस कारण वे निश्चय मार डाले जाएँ।

लैव्यव्यवस्था 20:15–16

यदि किसी पुरुष या स्त्री पशुगामी हो, तो उनके साथ क्या किया जाना चाहिए?

पुरुष, स्त्री, और पशु सभी मार डाले जाएँ।

लैव्यव्यवस्था 20:24

यहोवा ने उस भूमि का वर्णन कैसे किया जिसे उन्होंने इस्राएलियों को दी थी?

यहोवा ने भूमि को "दूध और मधु की भूमि" कहा है।

लैव्यव्यवस्था 21:2–3

किस व्यक्ति की मृत्यु के कारण याजक को स्वयं को अशुद्ध करने की अनुमति दी गई थी?

याजक को केवल अपने निकट कुटुम्बियों के लिए ही स्वयं को अशुद्ध करने की अनुमति थी।

लैव्यव्यवस्था 21:5

याजकों के बाल और दाढ़ी के संबंध में किन प्रतिबंधों को लागू किया गया था?

याजकों को अपने सिर या अपनी दाढ़ी के किनारों को मुंडवाने की अनुमति नहीं थी।

लैव्यव्यवस्था 21:9

यदि एक याजक की बेटी वेश्या बनकर स्वयं को अपवित्र करती, तो उसका क्या परिणाम होता?

यदि किसी याजक की बेटी वेश्या बनकर स्वयं को अपवित्र करती है, तो वह आग में जलाई जाए।

लैव्यव्यवस्था 21:11

महायाजक को किससे बचना चाहिए, चाहे वह उनके पिता हों या माता?

महायाजक को वहां नहीं जाना चाहिए जहाँ कोई शव हो, चाहे वह उनके पिता या माता ही क्यों न हों।

लैव्यव्यवस्था 21:14

याजक को किस प्रकार की स्त्री से विवाह नहीं करना चाहिए?

याजक को विधवा स्त्री, त्यागी हुई या वेश्या से विवाह नहीं करना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 21:18

यहोवा किस प्रकार के पुरुष को अपने पास बलिदान अर्पित करने के लिए आने की अनुमति नहीं देना चाहते थे?

यहोवा नहीं चाहते थे कि कोई भी पुरुष, जिसके शरीर में कोई दोष हो, उनके पास आए।

लैव्यव्यवस्था 22:2–3

यहोवा क्या कहते हैं कि उनके पवित्र नाम को क्या अपवित्र करेगा?

यहोवा कहते हैं कि जो कोई भी किसी कारण से अशुद्ध है और पवित्र वस्तुओं के पास आता है, वह उनके पवित्र नाम को अपवित्र करेगा।

लैव्यव्यवस्था 22:6

जब कोई याजक किसी ऐसी वस्तु को छूता है जो उन्हें अशुद्ध बनाती है, तो उन्हें क्या करना चाहिए?

उन्हें जल में स्नान करना चाहिए और शाम तक अशुद्ध रहना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 22:9

उन याजकों का क्या होगा जो यहोवा के निर्देशों का पालन नहीं करते?

वे पाप के दोषी ठहरेंगे और यहोवा का अपमान करने के कारण मर सकते हैं।

लैव्यव्यवस्था 22:10–11

केवल कौन लोग किसी भी पवित्र वस्तु को खा सकते हैं?

केवल वही लोग किसी भी पवित्र वस्तु को खा सकते हैं जो याजक और उसका परिवार हैं, और जो दास उसने खरीदे हों।

लैव्यव्यवस्था 22:13

क्या किसी याजक की बेटी, जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जो याजक नहीं है, पवित्र भोजन खा सकती है?

नहीं, जब तक कि वह त्यागी या विधवा न हो और अपने पिता के घर लौटकर न रहे।

लैव्यव्यवस्था 22:14

जो पुरुष अनजाने में पवित्र भोजन खा ले, उसे क्या करना चाहिए?

यदि कोई पुरुष अनजाने में पवित्र भोजन खा लेता है, तो वह उसका पाँचवाँ भाग बढ़ाकर उसे याजक को भर दे।

लैव्यव्यवस्था 22:18

किस प्रकार के पशु को बलिदान के रूप में स्वीकार किया जाएगा?

यह मवेशियों, भेड़ों, या बकरों में से एक निर्दोष नर पशु होना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 22:20

यहोवा के लिए बलिदान किए जाने वाले किसी भी पशु के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता क्या होती है?

यहोवा के लिए बलिदान किया जाने वाला कोई भी पशु निष्कलंक होना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 22:26

यहोवा को बलिदान के रूप में प्रस्तुत करने के लिए एक बछड़ा, भेड़, या बकरी कितनी आयु का होना चाहिए?

यहोवा को बलिदान के रूप में चढ़ाने के लिए एक बछड़ा, भेड़, या बकरा कम से कम आठ दिन का होना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 22:30

धन्यवाद भेंट कब खाना चाहिए?

इसे उसी दिन खाया जाना चाहिए जिस दिन इसका बलिदान किया गया हो।

लैव्यव्यवस्था 23:3

यहोवा काम और सब्त के विषय में क्या कहते हैं?

यहोवा कहते हैं कि लोग छह दिन काम कर सकते हैं, परन्तु सातवां दिन, सब्त, विश्राम का दिन होना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 23:5

पहले महीने के चौदहवें दिन कौन सा पर्व मनाया जाना है?

पहले महीने के चौदहवें दिन यहोवा का फसह मनाया जाना आवश्यक है।

लैव्यव्यवस्था 23:6

पहले महीने के पंद्रहवें दिन फसह के बाद कौन सा पर्व आता है?

पहले महीने के पंद्रहवें दिन फसह के बाद अखमीरी रोटी का पर्व होता है।

लैव्यव्यवस्था 23:10

यहोवा जो भूमि उन्हें देने वाले हैं, वहाँ पहली फसल के बाद लोगों को याजक के पास क्या लाना था?

लोगों को खेत काटने के बाद भूमि के पहले फलों का पूला याजक के पास लाना था, जिसे यहोवा उन्हें देने वाले हैं।

लैव्यव्यवस्था 23:27

यहोवा ने प्रायश्चित के दिन के लिए कौन-सी तारीख निर्धारित की?

यहोवा ने सातवें महीने के दसवें दिन को प्रायश्चित का दिन ठहराया।

लैव्यव्यवस्था 23:31

प्रायश्चित के दिन लोगों को क्या नहीं करना था?

लोगों को प्रायश्चित के दिन कोई भी काम-काज नहीं करना था।

लैव्यव्यवस्था 23:33

यहोवा ने क्या कहा कि सातवें महीने के पंद्रहवें दिन कौन सा पर्व मनाया जाएगा?

यहोवा ने कहा कि यहोवा के लिए झोपड़ियों का पर्व सातवें महीने के पंद्रहवें दिन मनाया जाएगा।

लैव्यव्यवस्था 23:40

यहोवा के पर्व के दौरान लोगों को किसका उपयोग करके आनन्दित होना चाहिए?

लोगों को अच्छे-अच्छे वृक्षों की उपज, खजूर के पत्ते, और घने वृक्षों की डालियाँ, और नदी में के मजनू को लेकर अपने परमेश्वर यहोवा के सामने आनंदित हो सकें।

लैव्यव्यवस्था 23:42

यहोवा के लिए झोपड़ियों के पर्व के दौरान इस्राएल के लोग कहाँ निवास करते थे?

इस्राएल के लोगों को यहोवा के लिए झोपड़ियों के पर्व के दौरान सात दिनों तक छोटे झोपड़ियों में निवास करना था।

लैव्यव्यवस्था 24:3

हारून को उस शुद्ध तेल का क्या करना था जो लोग उसके लिए लाएंगे?

हारून उसको, मिलापवाले तम्बू में, साक्षीपत्र के बीचवाले पर्दे से बाहर, यहोवा के सामने नित्य साँझ से भोर तक सजा कर रखे; यह तुम्हारी पीढ़ी-पीढ़ी के लिये सदा की विधि ठहरे।

लैव्यव्यवस्था 24:5–6

प्रत्येक सब्त के दिन याजक को छः की दो पंक्तियों में क्या रखना चाहिए?

याजक को प्रत्येक सब्त पर मैदा लेकर बारह रोटियाँ पकवाना था, प्रत्येक रोटी में एपा का दो दसवाँ अंश मैदा हो जिन्हे दो पंक्तियाँ करके, एक-एक पंक्ति में छः छः रोटियाँ, स्वच्छ मेज पर यहोवा के सामने रखना था।

लैव्यव्यवस्था 24:9

बारह रोटियों की भेंट खाने की अनुमति किसे दी जाती है?

हारून और उनके पुत्र इसे पवित्र स्थान में खाएँ।

लैव्यव्यवस्था 24:14

इस्राएल के लोगों से यहोवा को श्राप देनेवाले को पुरुष के साथ क्या करने के लिए कहा गया था?

यहोवा ने इस्राएल के लोगों से कहा कि वे उस पुरुष को छावनी के बाहर ले जाएँ, उस पर अपने हाथ रखें, और उसे पथराव करें।

लैव्यव्यवस्था 24:17

एक मनुष्य यदि किसी मनुष्य को जान से मारे, उसके साथ क्या होना चाहिए?

उसे निश्चित रूप से मार डाला जाए।

लैव्यव्यवस्था 24:19–20

यहोवा ने कहा कि जो मनुष्य किसी को मृत्यु या चोट पहुंचाता है, उसके साथ क्या किया जाना चाहिए?

यहोवा ने लोगों से कहा कि जैसा उन्होंने दूसरों के साथ किया है, वैसा ही उनके साथ किया जाना चाहिए; आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत।

लैव्यव्यवस्था 25:4

यहोवा ने कहा कि जब खेतों और दाख की बारी को छह साल तक लगाया, छांटा और फसल काटी जाए, तो उसके बाद क्या किया जाना चाहिए?

यहोवा ने कहा कि छह वर्षों तक खेतों और दाख की बारी में रोपण, छंटाई और कटाई के बाद सातवें वर्ष भूमि को यहोवा के लिये परमविश्रामकाल मिला करे; उसमें न तो अपना खेत बोना और न अपनी दाख की बारी छाँटना।

लैव्यव्यवस्था 25:9

उन्नचासवें वर्ष के सातवें महीने के दसवें दिन क्या किया जाना था?

उन्नचासवें वर्ष के दौरान, सातवें महीने के दसवें दिन जय जयकार के महाशब्द का नरसिंगा अपने सारे देश में सब कहीं फुँकवाना था।

लैव्यव्यवस्था 25:10

पचासवें वर्ष को क्या नाम दिया जाएगा?

पचासवां वर्ष जुबली का वर्ष कहलाएगा।

लैव्यव्यवस्था 25:10 (#2)

जुबली वर्ष के दौरान कौन-कौन सी महत्वपूर्ण घटनाएँ घटित होंगी?

जुबली वर्ष के दौरान, संपत्ति और दास उनके परिवारों को लौटा दिए जाएंगे।

लैव्यव्यवस्था 25:12

जुबली वर्ष के दौरान क्या खाना चाहिए?

जुबली वर्ष के दौरान केवल वही भोजन खाना चाहिए जो स्वयं उगता हो।

लैव्यव्यवस्था 25:15–17

लोगों को भूमि खरीदते या बेचते समय किन बातों पर विचार करना था?

लोगों को यह विचार करना था कि अगले जुबली वर्ष तक कितने वर्ष शेष हैं। जितने अधिक वर्ष शेष हैं, भूमि उतनी ही अधिक मूल्यवान होती है।

लैव्यव्यवस्था 25:21

सातवें वर्ष, सब्त वर्ष के दौरान, जब फसलें नहीं उगाई जानी हैं, तब यहोवा अपने लोगों की देखभाल कैसे करेंगे?

यहोवा ने लोगों से कहा कि छठे वर्ष की फसल सामान्य फसल से तीन गुना अधिक होगी, ताकि सातवें वर्ष के लिए भोजन उपलब्ध हो सके।

लैव्यव्यवस्था 25:23

यहोवा ने लोगों से भूमि के स्थायी स्वामित्व के बारे में क्या कहा?

भूमि सदा के लिये बेची न जाए, क्योंकि भूमि मेरी है; और उसमें तुम परदेशी और बाहरी होंगे।

लैव्यव्यवस्था 25:30

जुबली वर्ष के दौरान कौन-सी संपत्ति वापस नहीं की जानी चाहिए?

यदि वह वर्ष भर में न छुड़ाए, तो वह घर जो शहरपनाह वाले नगर में हो मोल लेनेवाले का बना रहे।

लैव्यव्यवस्था 25:35–36

जो साथी देशवासी गरीब हो जाए और अब अपने लिए स्वयं का प्रबंध न कर सके, लोगों को उसके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

यदि तेरा कोई भाई-बन्धु कंगाल हो जाए, और उसकी दशा तेरे सामने तरस योग्य हो जाए, तो तू उसको सम्भालना; वह परदेशी या यात्री के समान तेरे संग रहे। उससे ब्याज या बढ़ती न लेना।

लैव्यव्यवस्था 25:40

जिस साथी देशवासी ने स्वयं को दास के रूप में बेच दिया है, लोगों को उसके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?

लोगों को अपने साथी देशवासी के साथ, जिसने खुद को दास के रूप में बेच दिया है, एक किराए के सेवक के रूप में व्यवहार करना चाहिए और उसे दास की तरह काम करने के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 26:1

यहोवा लोगों से क्या कहते हैं कि उन्हें क्या नहीं करना चाहिए?

यहोवा लोगों से कहते हैं कि उन्हें मूर्तियाँ नहीं बनानी चाहिए।

लैव्यव्यवस्था 26:3

लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए क्या करना चाहिए कि यहोवा वर्षा और फसल भेजे?

तुम मेरी विधियों पर चलो और मेरी आज्ञाओं को मानकर उनका पालन करो।

लैव्यव्यवस्था 26:6

यहोवा लोगों की सुरक्षा के लिए क्या करेंगे?

यहोवा खतरनाक जन्तुओं को हटा देंगे और देश में तलवार चलने नहीं देंगे।

लैव्यव्यवस्था 26:12

यदि लोग वह करते हैं जो यहोवा उनसे करने के लिए कहते हैं, तो वह उनके लिए क्या प्रतिज्ञा करते हैं?

यदि लोग वह करते हैं जो यहोवा उनसे करने के लिए कहते हैं, तो वह प्रतिज्ञा करते हैं कि मैं तुम्हारे मध्य चला फिरा करूँगा, और तुम्हारा परमेश्वर बना रहूँगा, और तुम मेरी प्रजा बने रहोगे।

लैव्यव्यवस्था 26:16

यदि इस्राएल यहोवा की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं, तो यहोवा ने कहा कि वह उन पर किस प्रकार की बीमारियाँ और ज्वर भेजेंगे?

यहोवा कहते हैं कि यदि वे उनके आज्ञाओं का पालन नहीं करते, तो मैं तुम को बेचैन करूँगा, और क्षयरोग और ज्वर से पीड़ित करूँगा, और इनके कारण तुम्हारी आँखें धुंधली हो जाएँगी, और तुम्हारा मन अति उदास होगा। और तुम्हारा बीज बोना व्यर्थ होगा, क्योंकि तुम्हारे शत्रु उसकी उपज खा लेंगे।

लैव्यव्यवस्था 26:18

यहोवा कहते हैं कि यदि लोग उनकी आज्ञाओं और नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो वह क्या करेंगे?

यहोवा कहते हैं कि यदि लोग उनकी आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं, तो मैं तुम्हारे पापों के कारण तुम्हें सातगुना ताड़ना और दूँगा।

लैव्यव्यवस्था 26:18–19

यहोवा ने कहा कि यदि इस्राएल उसकी आज्ञाओं का पालन नहीं करेंगे, तो वह मौसम के साथ क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वह उनके ऊपर आकाश को पीतल जैसा कठोर बना देंगे।

लैव्यव्यवस्था 26:21–22

यहोवा ने कहा कि अगर इस्राएल उनकी बात नहीं सुनेंगे, तो वह उनके खिलाफ खतरनाक पशुओं को भेजेंगे। यह पशु क्या करेंगे, यहोवा ने क्या कहा?

मैं तुम्हारे बीच वन पशु भेजूँगा, जो तुम को निर्वंश करेंगे, और तुम्हारे घरेलू पशुओं को नाश कर डालेंगे, और तुम्हारी गिनती घटाएँगे, जिससे तुम्हारी सड़कें सूनी पड़ जाएँगी।

लैव्यव्यवस्था 26:40–42

यदि लोग यहोवा की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं, तो क्या उन्होंने सारी आशा खो दी है?

यहोवा कहते हैं कि यदि लोग अपने पापों को, अपने पूर्वजों के पापों को, यहोवा के खिलाफ अपने विद्रोह को स्वीकार करेंगे, और अपने पापों के लिए दण्ड को विनम्रता से स्वीकार करेंगे, तो वह याकूब, इसहाक, और अब्राहम के साथ की गई वाचा को याद करेंगे।

लैव्यव्यवस्था 26:45

उनके पापों के बावजूद, यहोवा क्या वादा करते हैं?

यहोवा वादा करते हैं कि वह उन्हें अस्वीकार नहीं करेंगे और न ही उनसे घृणा करेंगे ताकि उन्हें पूरी तरह से नष्ट न कर दें और उनके साथ की गई वाचा को समाप्त न करें, ताकि वह उनके परमेश्वर बन सकें।

लैव्यव्यवस्था 27:2

विशेष संकल्प का उद्देश्य क्या होता है?

जब कोई व्यक्ति यहोवा को समर्पित किया जाता है, तो वह एक विशेष प्रतिज्ञा कर सकता है जिसके लिए उसे विशेष संकल्प का उपयोग करना आवश्यक होता है।

लैव्यव्यवस्था 27:3

बीस से साठ वर्ष की आयु के बीच एक पुरुष का संकल्प क्या होता है?

बीस से साठ वर्ष की आयु के बीच का एक पुरुष पचास शेकेल चाँदी का निर्धारित मूल्य रखता है।

लैव्यव्यवस्था 27:4

बीस से साठ वर्ष की आयु के बीच एक स्त्री का निर्धारित मूल्य क्या है?

बीस से साठ वर्ष की आयु की स्त्री का मानक मूल्य तीस शेकेल है।

लैव्यव्यवस्था 27:8

यदि मन्नत करने वाला व्यक्ति उस व्यक्ति के संकल्प को वहन करने में असमर्थ हैं जिसे वे समर्पित कर रहे हैं, तो क्या होगा?

यदि संकल्प करने वाला मानक मूल्य वहन करने में सक्षम नहीं हैं, तो उन्हें याजक के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है और याजक उनका मूल्यांकन उस राशि के अनुसार करेंगे जो मन्नत करने वाला वहन करने में सक्षम हैं।

लैव्यव्यवस्था 27:11

याजक कौन-कौन सी चीजें मूल्यवान मान सकते हैं जिन्हें यहोवा को अर्पित किया जाना चाहिए?

याजक उस पशु का मूल्यांकन कर सकते हैं जिसे बलिदान के लिए किसी पुरुष का घर, या उसकी कुछ भूमि प्रस्तुत किया जाना है।

लैव्यव्यवस्था 27:14

याजक कौन-कौन सी चीजें मूल्यवान समझ सकते हैं जिन्हें यहोवा को अर्पित किया जाना चाहिए?

याजक उस पशु का मूल्यांकन कर सकते हैं यदि कोई अपना घर यहोवा के लिये पवित्र ठहराकर संकल्प करे, तो याजक उसके गुण-अवगुण दोनों विचार कर उसका मोल ठहराए; और जितना याजक ठहराए उसका मोल उतना ही ठहरे।

लैव्यव्यवस्था 27:16

याजक किन अन्य वस्तुओं का मूल्यांकन कर सकते हैं जिन्हें यहोवा के सामने प्रस्तुत किया जाना है?

याजक उस पशु का मूल्यांकन कर सकते हैं जिसे बलिदान के लिए किसी पुरुष का घर, या उसकी कुछ भूमि प्रस्तुत किया जाना है।

लैव्यव्यवस्था 27:23

यहोवा को समर्पित किए गए खेत के साथ एक मनुष्य को जुबली के वर्ष में क्या करना चाहिए?

जब कोई मनुष्य यहोवा के लिए एक खेत को पवित्र करता है और जुबली का वर्ष आता है, तो याजक जुबली के वर्ष तक खेत के अनुमानित मूल्य का आंकलन करेंगे और उस व्यक्ति

को उस दिन उसका मूल्य यहोवा को एक पवित्र उपहार के रूप में देना होगा।

लैव्यव्यवस्था 27:26

कौन सा पशु केवल यहोवा का होता है?

सभी पशु का पहलौठा केवल यहोवा का होता है।

लैव्यव्यवस्था 27:28

यहोवा को समर्पित वस्तुओं का कौन-सा हिस्सा बेचा या छुड़ाया जा सकता है?

यहोवा को समर्पित कुछ भी बेचा या छुड़ाया नहीं जा सकता है।

लैव्यव्यवस्था 27:31

यदि कोई मनुष्य अपने दशमांश में से कुछ छुड़ाना चाहे, तो उसे उसमें क्या जोड़ना चाहिए?

यदि कोई व्यक्ति अपनी दशमांश में से कुछ छुड़ाना चाहे, तो उसे उसकी मूल्य में एक पाँचवाँ भाग बढ़ाकर देना होगा।